हिमाचल नौ देवी दर्शन, कुरुक्षेत्र चण्डीगढ़, कुल्लु, वैष्णोदेवी, मनाली, मनीकरण, अमृतसर

A/C बस द्वारा

श्री शिव शंकर तीर्थ यात्रा

यात्रा प्रारम्भ:14 अक्टूबर 2024

यात्रा समय: 13 दिन

दिन	स्थान
पहला दिन	दिल्ली से 12:00 बजे प्रस्थान (रात्रि विश्राम कुरुक्षेत्र)।
दूसरा दिन	कुरुक्षेत्र ब्रह्मसरोवर स्नान, ज्योतिशर, बाणगंगा, थानेश्वर, भद्रकाली मंदिर, पेनोरमा दोपहर भोजन के पश्चात पिंजोर गार्डन देखते हुए (रात्रि विश्राम चंडीगढ़ में)
तीसरा दिन	चंडीगढ़ मनसा देवी दर्शन, रोक गार्डन, रोज गार्डन (रात्रि विश्राम चंडीगढ़)।
चौथा दिन	चंडीगढ़ से नैना देवी दर्शन, हवन कुंड, प्राचीन गुफा (रात्रि विश्राम कुल्लू)।
पांचवा दिन	मनाली ,वशिष्ट ऋषि मंदिर, रोहतांग पास, हिडिम्बा माता मंदिर (रात्रि विश्राम कुल्लू)
छठा दिन	मनीकरण गर्म कुंड स्नान, शिव मंदिर दर्शन, गुरुद्वारा दर्शन, मनोकामना देवी मंदिर दर्शन, राम मंदिर दर्शन (रात्रि विश्राम कुल्लू)।
सातवां दिन	वैजनाथ मंदिर दर्शन, चामुण्डा माता दर्शन (रात्रि विश्राम-कागंडा)।
आठवां दिन	कांगड़ा में गुप्त गंगा स्नान, बृजेश्वरी माता दर्शन, नगर कोट धाम, बगलामुखी माता दर्शन, चिंतपूर्णी माता दर्शन, ज्वालाजी दर्शन, गोरख डिब्बी, राधाकृष्ण मंदिर, लाल शिवालय मंदिर दर्शन (रात्रि विश्राम कागंडा)।
नवां दिन	चीची देवी मंदिर दर्शन, रघुनाथ मन्दिर दर्शन (रात्रि विश्राम कटरा)।
दसवां दिन	वैष्णो देवी दर्शन, भैरव मंदिर दर्शन (यात्री स्वम पैदल, घोडा, पालकी द्वारा जायेगे व वापसी कटरा आयेगे) (रात्रि विश्राम कटरा)।
ग्यारवां दिन	कटरा से प्रस्थान शिवखोड़ी दर्शन प्राकृतिक सौंदर्य भ्रमण (रात्रि विश्राम कटरा)
बारहवां दिन	अमृतसर, स्वर्ण मंदिर, जलियांवाला बाग, बाघा बॉर्डर देखते हुए (रात्री अमृतसर)
तेरहवां दिन	दिल्ली आगमन एवं मधुर स्मृतियो के साथ यात्रा समाप्त।

यात्रा किराया : भोजन, चाय, नाश्ता, A/C डबल बैड होटल रूम, घुमाने के लिए A/C पुशबेक डीलक्स बसों सहित किराया ₹28,001/- प्रति यात्री होगा। एडवांस बुकिंग हेतु ₹1,001/-अग्रिम बुकिंग हेतु प्रति यात्री नगद अथवा ऑनलाइन 'श्री शिव शंकर तीर्थ यात्रा' ऋषिकेश के S.B.I बैंक खाते में जमा करवा दें। बकाया किराया दिल्ली पहुँचने पर संस्था द्वारा लिया जायेगा। कृपया बस यात्रा के नियम पेज न0 17 को ध्यान पूर्वक पढ़ कर ही सीट बुक कराये।

नोट : कटरा से भवन पैदल रास्ता14 किमी है इसलिए वैष्णो देवी व शिवखोडी में घोड़े/पालकी का किराया, नैनादेवी मे ट्राली का किराया एवं मनाली से रोहतांग जाने का किराया यात्री को स्वयं देना होगा।

बस व रेल द्वारा यात्रा की नियम व सुविधाऐं।

1. यात्रियों के लिए यात्राकाल में सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर व रात्रि भोजन में एक दाल, एक सब्जी, चावल, रोटी का पूरा प्रबन्ध होगा। शाम को चाय दी जायेगी। दाल-चावल, रोटी में देशी घी का प्रयोग होगा। सब्जी व नाश्ते में रिफाइड तेल का प्रयोग होगा। समय की उपलब्धता के आधार पर यात्रियों को पापड़ व अचार भी भोजन के साथ दिया जायेगा। प्याज-लहसुन का प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा। भोजन शुद्ध शाकाहारी सात्विक बनाया जायेगा। यात्रा के दौरान तवा चपाती बनायी जायेगी व समय की उपलब्धता के अनुसार पूड़ी, पराठें व खिचड़ी भी बनायी जायेगी तथा यात्रा में समय अनुसार लंच पैकेट भी दिया जाएगा। रेल द्वारा लम्बी दूरी की यात्रा के दौरान भोजन की व्यवस्था I.R.C.T.C के अधिकृत भोजनालय से की जायेगी। दोपहर एवं रात्रि भोजन के साथ एक-एक मिनरल वाटर की बोतल यात्रियों को दी जायेगी।
2. हमारी यात्रा में केवल सामान्य चिकित्सा की ही व्यवस्था होगी। जो यात्री नियमित रूप से दवाई लेते हैं वे यात्री यात्रा प्रोग्राम के दिनो के अनुसार कृपया अपनी दवाईयां साथ में लावे। यात्री को आवश्यकता पड़ने पर यात्री अपने खर्चे पर अस्पताल/डाक्टर की व्यवस्था अपनी सुविधानुसार कर सकते हैं। प्रत्येक यात्री टाईम टेबल के अनुसार चलने को बाध्य होंगे, यदि किसी कारणवश कोई ग्रुप से अलग होता है तो अगले स्टेशन/गन्तव्य पर यात्री अपने खर्चे पर पहुचेगें। सभी बसे दर्शनीय स्थलो की पार्किंग तक जाएगी वहा से मन्दिरों की दूरी नगण्य है इसलिए यात्री स्वयं के खर्च से पैदल अथवा रिक्शे से वहाँ जा सकते हैं। इस प्रकार यात्रियों को पैदल कम चलना पड़ेगा। संक्रमक रोगी, मादक पदार्थों का सेवन करने वाले अथवा झगडालू यात्री को यात्रा से पृथक करने का पूर्ण अधिकार व्यवस्थापक का होगा।
3. यात्री अपने साथ असली फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड और वोटर आई. डी.) व 1 पासपोर्ट साईज फोटो अवश्य साथ लावे। यात्रा बुक होने के बाद यात्री अपनी सीट कैंसिल करवाता है तो अग्रिम धनराशि वापिस नहीं की जायेगी। दर्शनीय स्थलों का प्रवेश शुल्क यात्रियों द्वारा वहन किया जायेगा।

यात्रियों को निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

- यात्रा काल के दौरान आर्थिक, शारीरिक क्षति एवं यात्री के सामान की जिम्मेदारी यात्री की स्वयं की होगी। व्यवस्थापक यात्रियों के नुकसान का जिम्मेदार नहीं होगा।
- यदि कोई यात्री किन्हीं कारणवश अथवा अस्वस्थ होने की वजह से अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर घर वापिस आना चाहेगा तो उस अवस्था में यात्री को व्यवस्थापक की तरफ से केवल घर तक पहुंचाने हेतु रेलवे का स्लीपर क्लास का टिकिट ही दिया जायेगा। यह व्यवस्था भी केवल यात्रा समाप्ति के 5 दिन पूर्व तक लागू होगी। किराया वापसी किसी भी अवस्था में देय नहीं होगा।
- यात्रा में रेल लेट होने / बस खराब होने/ मौसम खराब होने/साप्ताहिक अवकाश/ बन्द/ रैली आदि के कारण सें किसी स्थान पर दर्शन ना होने पर संस्था/ व्यवस्थापक द्वारा कार्यक्रम में जो भी बदलाव किया जायेगा, यात्रियों से निवेदन है कि परिस्थितियों को समझते हुए उसमें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें।
- यात्रा काल में मैनेजर यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा देने की कोशिश करेंगे परन्तु फिर भी यात्रा के दौरान थोड़ी असुविधा होना स्वाभाविक है। उस समय 'परदेश नरेश कलेशन' की कहावत के अनुसार तपस्या की भावना से उसे सहन करें व व्यवस्थापक को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।